Date
14/04/2020

Subject - Gender, School & Society
Topic - DECONSTRUCTIVE THEORY
विखण्डन सिद्धान्त

B.Ed. 2nd Year
Period - 4th

## विखण्डन सिद्धान्त

लैंगिक विखण्डन का सिद्धान्त मुख्यत: नारीवादी सिद्धान्त से सम्बान्धित है तथा यह पारम्परिक लैंगिक भूमिका एंव पहचान के विषय से सम्बान्धित मान्यताओ / धारणाओ का घोर विरोधी है। यह सिद्धान्त स्त्रीवाद के विभिन्न पक्षो का समर्थन करता है। यह सिद्धान्त प्राचीन धारणाओ का विखण्डन करके लैंगिक सम्बन्धों को विकास के अवसर प्रदान करता है।

विखण्डन का सिद्धान्त उन सभी प्राचीन धारणाओ का खण्डन करता है जो स्त्रियों के अस्तित्व एंव अधिकारो का हनन करती है तथा स्त्रीत्ववाद के सिद्धान्त को प्रोत्साहन देता है। यह सिद्धान्त प्रत्येक क्षेत्र मे पुरुषो के समान स्त्रियों के अधिकारो की माँग करता है।

## देरिदा का विखण्डन सिद्धान्त

सन 1980 मे देरिदा के सिद्धान्तानुसार- विखण्डन के साथ प्रेम की धारणा को रखकर पढा जाना चाहिए। प्रेम का अर्थ है अन्य का सम्मान करना, ध्यान देना, अन्य की इच्छा आकांक्षाओ के प्रति दृढ़ निश्चयीभाव करना। यह मेरी बुनियादी समझ है। इसके अतिरिक्त मै कहना चाहता हूँ कि विखण्डन मे कुछ भी नकारात्मक नही है। विखण्डन नकारात्मक होकर का नही करता। यदि आलोचना करना चाहते है, इसे अस्वीकार कर चाहते है चाहे अन्य का विरोध करने के लिए सही, इसके लिए सबसे पहले इसकी मौजूदगी को मानें।

14-04-2020 12:33

## देरिदा के विखण्डन सिद्धान्त के मूल बिन्दु ⇒

(1) विखण्डन साहित्य और दर्शन के पाठ पर निर्भर है। यह खोज है विश्लेषण है।

(2) विखण्डन चीजो की तय प्राथमिकताओं के बारे मे सवाल खडे करता है।

(3) आज के साहित्यिक परिदृश्य मे विखण्डनात्मक अध्ययन व्यापक तौर पर व्याख्यात्मक रणनीति का हिस्सा है।

(4) देरिदा के विखण्डन सिद्धान्त के अनुसार यह पाठ की रणनीति है। इसका उपयोग मूल्य है। यह किसी भी किस्म की सन्दर्भगत रणनीति के बाहर है।

अत!
देरिदा के विखण्डन सिद्धान्त की मुश्किल यह है कि वह अकल्पनीय मुश्किलो से ग्रस्त है यह उभयभाविता की माँग करता है। दर्शन की भाषा मे इसे दुरंगापन कहते है।

14-04-2020 12:34

## देरिदा के विचार :-

(1) देरिदा के अनुसार- यह आवश्यक है कि परम्परा को याद करें साथ ही 'भिन्नता' के प्रति खुले रहे।

(2) विदेशियों का स्वागत करें उन्हें अपने अन्दर समाहित न करें।

(3) आलोचनात्मक परम्परा को विखण्डन की रणनीति के हवाले करे उसे आलोचना और सवालो से दूर लेजाए

(4) यह मानकर चले कि यूरोपीय परम्परा मे लोकतन्त्र का विचार एक विलक्षण विचार है, जिसे कभी छोडा नही गया है।

(5) सहिष्णु बने, सम्मान करे साथ ही तर्क के बारे मे लगातार सोचें अतार्किक हुए बिना अज्ञान की सीमा को जानें।

(6) देरिदा दोहरी जिम्मेदारी के समर्थक थे उनके अनुसार जिम्मेदारी यानी सोचने, बोलने और लागू करने की।

(7) यह जरूरी है कि भिन्नता, अल्पसंख्यको, विशिष्टता, कानून का सार्वभौमत्व, समझौते एवं असहमति की इच्छा व्यक्त करें।

(8) धर्म की पूंजी को जिसे सर्वसत्तावादी पैदा कर रहें है जो नए रूप मे आ रही है, उससे सीखे और रेखांकित करें। उसकी आलोचना करें।

14-04-2020 12:34

## देरिदा के चिन्तन की विशेषताएं :-

देरिदा के चिन्तन की चार महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं।

(1) **प्रथम केन्द्रीय विशेषता :-** देरिदा की केन्द्रीय एवं प्रथम विशेषता यह है कि उन्होंने दर्शनशास्त्र को नए सिरे से गरिमा दिलाई। उन्होंने विभिन्न विषयों से दर्शनशास्त्र के टूटे सम्बंध पर प्रश्न उठाया।

(2) **द्वितीय केन्द्रीय विशेषता :-** देरिदा की द्वितीय केन्द्रीय विशेषता उनका दर्शन, साहित्य, राजनीति, न्याय भाषा आदि के विभेदों को नए सिरे से विश्लेषण करना है।

(3) **तृतीय केन्द्रीय विशेषता :-** तीसरी केन्द्रीय विशेषता वे सभी को विश्लेषण के औजार बदलने को प्रेरित करते हैं।

(4) **चौथी केन्द्रीय विशेषता :-** चौथी एवं अन्तिम देरिदा चिन्तन की विशेषता यह है कि वे परम्परा पर नए सिरे से सभ्यता में विचार करते हैं। वे उन सभी दार्शनिक परम्पराओं पर समग्रता से विचार करते हैं जिनके बारे में हमने सोचना बन्द कर दिया था।

Complete

Avidha Tyagi
B.R. College

14-04-2020 12:35